

एनईपी • स्टूडेंट एक्सचेंज के तहत छात्रों-प्रोफेसरों को मनचाही यूनिवर्सिटी में भेजा जाएगा IIT छात्रों को शोध के लिए दे रहा विदेश जाने का मौका, 15 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन



भारत सरकार संवाददाता/इंदौर

आईआईटी इंदौर इस साल से यूजी, पीजी व पीएचडी छात्रों को स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विदेशी यूनिवर्सिटी में शोध के लिए जाने का मौका दे रहा। नेशनल एजुकेशन पालिसी (एनईपी) के तहत प्रोफेसर भी किसी इवेंट-कॉन्फ्रेंस में शामिल होने या शोध पर काम करने विदेश जा सकेंगे। यूजी-पीजी के छात्र अपनी डिग्री के आखिरी साल के दोनों सेमेस्टर में से कोई एक सेमेस्टर की पढ़ाई बाहर जाकर कर सकेंगे।

आईआईटी इंदौर के जनसंपर्क अधिकारी कमांडर सुनील कुमार ने बताया है कि आईआईटी इंदौर ने पूर्व में भी जिन विदेशी यूनिवर्सिटी के साथ समझौता किया है, उनके साथ हमने कई स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित किए हैं, लेकिन इस साल से हमने विदेश जाकर पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित कर दी है। इसके तहत यूजी, पीजी और पीएचडी के छात्र जिस विदेशी यूनिवर्सिटी में पढ़ना या शोध करना चाहते हैं, वे वहां के उनके फील्ड के प्रोफेसर से संपर्क करके उनका अनुशंसा पत्र अपने आवेदन के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन में उक्त यात्रा का निर्धारित उद्देश्य भी बताना होगा।

यूजी-पीजी के लिए 10 और पीएचडी छात्रों के लिए 10 सीटें आवंटित

इधर, यूजी और पीजी छात्रों के लिए कुल 10 और पीएचडी छात्रों के लिए भी 10 सीटें आवंटित की गई हैं। इसमें यूजी के 7वें सेमेस्टर और पीजी के तीसरे सेमेस्टर के छात्र अप्लाई कर सकेंगे। पीएचडी के छात्र, जिनका कोर्स वर्क पूरा हो चुका है, वे अप्लाई कर सकेंगे। यूजी-पीजी के छात्र अधिकतम एक सेमेस्टर के लिए और पीएचडी के

छात्र 1 से 3 महीने के लिए विदेश जाकर पढ़ सकेंगे। इसके लिए फ्लाइट का खर्च, उक्त सेमेस्टर की ट्यूशन फीस आईआईटी इंदौर द्वारा दी जाएगी। हालांकि वहां रहने का खर्च छात्रों को खुद वहन करना होगा। यूजी, पीजी और पीएचडी वाली फैलोशिप के लिए आवेदन देने की अंतिम तारीख 15 अक्टूबर है।

आईआईटी इंदौर शिक्षकों को देगा 1.5 लाख की ग्रांट

आईआईटी इंदौर मोबिलिटी ग्रांट उन शिक्षकों को देगा, जिन्होंने विदेशी यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू किया है या जिसके वे को-ऑर्डिनेटर हैं। ऐसे तीन शिक्षकों को एमओयू के तहत शोध करने, सेमिनार, कॉन्फ्रेंस आदि आयोजित करने या उनमें भाग लेने के लिए 1.5 लाख रुपये की ग्रांट दी जाएगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय ट्रेवल ग्रांट भी अधिकतम 10 प्रोफेसर को दी जाएगी। इसका उपयोग वे कर सकेंगे जो विदेशी यूनिवर्सिटी में जाकर उनके साथ लॉन्ग-टर्म समझौता करना चाहते हैं।